2022
हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

नोट :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड – क

1. (क) वासुदेवशरण अग्रवाल की कृति नहीं है : **[1]**

(i) 'पृथ्वीपुत्र' (ii) 'भारत की एकता' (iii) 'पूर्वोदय' (iv) 'माताभूमि'

(ख) 'मेरे पिताजी' शीर्षक संस्मरण के लेखक हैं : **[1]**

(i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी (ii) जैनेन्द्रकुमार (iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय (iv) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ग) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ने निम्न में से किस विधा में मुख्य रचनाएँ नहीं की हैं ? **[1]**

(i) निबन्ध (ii) उपन्यास (iii) नाटक (iv) आलोचना

(घ) पं० दीनदयाल उपाध्याय ने किस पत्र का सम्पादन नहीं किया था ? **[1]**

(i) 'धर्मयुग' (ii) 'राष्ट्रधर्म' (iii) 'स्वदेश' (iv) 'पाञ्चजन्य'

(ङ) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी की रचना है : **[1]**

(i) 'क्षण बोले कण मुस्काये' (ii) 'मेरे विचार' (iii) 'थट की खोज' (iv) 'और अन्त में'

2. (क) निम्न में से कौन-सी रचना 'छायावाद-युग' की है ? **[1]**

(i) 'प्रियप्रवास' (ii) 'चित्राधार' (iii) 'ऐसा कोई घर आपने देखा है' (iv) 'कर सुनना मुझे'

(ख) निम्न में से महादेवी वर्मा की रचना है : **[1]**

(i) 'दीपशिखा' (ii) 'धूप के धान' (iii) 'शिला पंख चमकीले' (iv) 'आँसू'

(ग) निम्न में से किस कवि को 'भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार' नहीं मिला ? **[1]**

(i) सुमित्रानन्दन पन्त (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(घ) 'शोषित के प्रति सहानुभूति एवं शोषक के प्रति घृणा' की प्रवृत्ति मुख्य रूप से निम्न में से किस युग की है ? **[1]**

(i) द्विवेदी-युग (ii) छायावाद युग (iii) प्रगतिवाद युग (iv) भक्ति-युग

(ङ) 'अज्ञेय' द्वारा सम्पादित सप्तकों की संख्या है : **[1]**

(i) एक (ii) दो (iii) तीन (iv) चार

3. निम्नलिखित गद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[2 + 2 + 2 + 2 = 10]**

राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है ; संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि संभव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्त्वपूर्ण स्थान है। यदि भूमि और जन अपनी संस्कृति से विरहित कर दिये जायँ तो राष्ट्र का लोप समझना चाहिए। जीवन के विटप का पुष्प संस्कृति है। संस्कृति के सौन्दर्य और सौरभ में ही राष्ट्रीय जन के जीवन का सौन्दर्य और यश अंतर्निहित है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) राष्ट्र का तीसरा अंग लिखिए।

(iii) राष्ट्र की वृद्धि किसके द्वारा संभव है ?

(iv) 'विरहित' और 'अंतर्निहित' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(v) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

अथवा

रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रित है, रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज मान्य नहीं होती। नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज वस्तुत: जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती। सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ समाज जैसे आगे बढ़ नहीं पाता, वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलनेवाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्राय: असमर्थ ही रह जाती है। भाषा समूची युग-चेतना की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है और ऐसी सशक्तता तभी वह अर्जित कर सकती है जब वह अपने युगानुकूल सही मुहावरों को ग्रहण कर सके।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) नित्य नूतनता क्या सूचित करती है ?

(iii) भाषा के सशक्त माध्यम का उल्लेख कीजिए।

(iv) 'परम्परागत' और 'अभिव्यक्ति' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[5 × 2 = 10]**

तरनि-तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाये।
झुके कूल सों जल परसन हित मनहुँ सुहाये ।।
किधौं मुकुर में लखत उझकि सब निज-निज सोभा।
कै प्रनवत जल जानि परम पावन फल लोभा।।
मनु आतप वारन तीर को सिमिटि सबै छाये रहत।
के हरि सेवा हित नै रहे निरखि नैन मन सुख लहत।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) तमाल के वृक्ष किनारे पर क्यों झुके हुए हैं ?

(iii) 'तरनि-तनूजा' और 'प्रनवत' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(iv) सम्पूर्ण पद में किन-किन अलंकारों का प्रयोग हुआ है ?

(v) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

अथवा

दो बाहों से दूरस्थ तीर धारा का कृश कोमल शरीर आलिंगन करने को अधीर!
अति दूर, क्षितिज पर विटप-माल लगती - रेखा सी अराल
अपलक-नभ नील-नयन विशाल;
माँ के उर पर शिशु-सा समीप, सोया धारा में एक द्वीप, उर्मिल प्रवाह को कर प्रतीप,
वह कौन विहग? क्या विकल कोक, उडता हरने निज विरह शोक?
छाया की कोकी को विलोक।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ एवं रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) दूर क्षितिज पर विटप-माल कैसे लग रही है?

(iii) कौन किसका आलिंगन करने को व्याकुल है?

(iv) 'उर्मिल' और 'प्रतीप' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(v) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी (iii) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (ii) मैथिलीशरण गुप्त (iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

6. कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'पंचलाइट' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी की समीक्षा कीजिए। (अधिकतम 80 शब्द) **[5]**

अथवा

'बहादुर' कहानी के आधार पर 'बहादुर' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **[5]**

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।
अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'पञ्चम सर्ग' की घटना का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्धन' का चरित्रांकन कीजिए।
अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ग) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र चित्रण कीजिए।
अथवा 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधीजी' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की - 'सन् 42 का विद्रोह' - घटना का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

(ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

अतीत प्रथमकल्पे जना: एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकारपरिपूरणं राजानमकुरुवन्। चतुष्पदा अपि सन्नम्य एकत्र सिंह राजानमकुरुवन्। तत: शकुनिगणा हिमवत-प्रदेशे एकस्मिन्पाषाणे सन्नम्य 'मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च। अस्माकम् पुनरन्तरे राजा नास्ति। अराजको वासो नाम न वर्धते। एको राजस्थाने स्थापयितव्यम्' इति ऊचिु:। अथ ते परस्परं व्यवलोकयन्त्य् एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ता: वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानार्थं प्रयुक्ता आसन्। परम्द्य इमे सिद्धान्ता: राष्ट्राणां परस्परं मैत्री सहयोगकारणानां, विश्व-बन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानां सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहलाल नेहरू महोदयस्य प्रधानमन्त्रित्सवकारे चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्यैवाभवत्। यतो हि उभावपि देशौ बौद्धधर्मनिष्ठावन्तो। आधुनिके जगति पञ्चशीलसिद्धान्त: नवीनं राजनतिकं स्वरूपं गृह्णवन्ति।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतद् ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।।

अथवा

वैवस्वतो मनूनां माननीयो मनीषिणाम्।
आसीन्महीक्षितमाद्यः प्रणवच्छन्दसामिव।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : **[2 + 2 = 4]**

(i) कस्य वाङ्गमयं सर्वश्रेष्ठं वर्तते ?

(ii) विनेन कस्या आशा नास्ति ?

(iii) मूलशंकरस्य जन्म कुत्र अभवत् ?

(iv) श्रीकृष्णः कस्य समीपे दौत्येन गतः ?

10. (क) शृङ्गार अथवा करुण रस की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए। **[2]**

(ख) 'मक' अथवा 'अनन्वय' अलंकार की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण भी लिखिए। **[2]**

(ग) 'चौपाई' अथवा 'हरिगीतिका' छन्द का लक्षण लिखकर उसका एक उदाहरण लिखिए। **[2]**

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : **[2 + 7 = 9]**

(i) अनियन्त्रित भ्रष्टाचार: कारण और निवारण (ii) आरक्षण : वरदान या अभिशाप (iii) जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभाव (iv) दहेज प्रथा और उसकी विसंगतियाँ (v) लोकमंगल के कवि - गोस्वामी तुलसीदास

12. (क) (i) 'प्रेजते' का सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) प्र + ऐजते (ब) प्र + एजते (स) प्रे + एजते (द) प्रे + जिते

(ii) 'योद्धा' का सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) योध् + धा (ब) योद + धा (स) युध् + ओधा (द) या + औधा

(iii) 'पूर्णश्चन्द्रः' का सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) पूर्ण + चन्द्रः (ब) पूरण + चन्दः (स) पूर्णः + चन्द्रः (द) पूर्णश् + चन्द्रः

(ख) (i) 'प्रत्यक्षं' में समास है : **[1]**

(अ) अव्ययीभाव (ब) तत्पुरुष (स) बहुव्रीहि (द) कर्मधारय

(ii) 'कुपुत्रः' में समास है : **[1]**

(अ) द्वन्द्व (ब) द्विगु (स) कर्मधारय (द) बहुव्रीहि

13. (क) (i) 'आत्मनोः' रूप है 'आत्मन्' शब्द का : **[1]**

(अ) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन (ब) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन (स) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (द) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(ii) 'नाम्ने' रूप है 'नामन्' शब्द का : **[1]**

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन (ब) पंचमी विभक्ति, द्विवचन (स) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (द) षष्ठी विभक्ति एकवचन

(ख) 'तिष्ठेव' अथवा 'पास्यति' शब्द किस धातु, लकार, पुरुष एवं वचन का रूप है ? **[2]**

(ग) (i) 'दत्त्वा' शब्द में प्रत्यय है : **[1]**

(अ) क्त (ब) क्त्वा (स) त्त्वत् (द) त्वामिः

(ii) 'धीमत्तु' शब्द में प्रत्यय है : **[1]**

(अ) मत्वुप् (ब) अनीयर् (स) वतुप् (द) त्त्व

(घ) रेखांकित पदों में किसी एक पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) कृष्णं परितः गावोः सन्ति। (ii) गुरुणा सह शिष्यम् अपि आगच्छति। (iii) दुर्गामैस्वाहा।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : **[2 × 2 = 4]**

(i) वे दोनों खाना खा रहे हैं।

(ii) हमें अब घर जाना चाहिए।

(iii) वह अपने पिता के साथ घर गया।

(iv) परिश्रम से काम सिद्ध होता है।